ये अव्यक्त इशारे

सर्व प्राप्ति सम्पन्न बेगमपुर के बेफिक्र बादशाह बनो

16-03-2024

जो मुरलीधर बाप की मुरली सुनकर अतीन्द्रिय सुख के झूले में झूलते हैं। उन्हें मुरली के साज़ से अविनाशी दुआ की दवा मिल जाती है, वे तन्दुरुस्त, मनदुरुस्त, मस्ती में मस्त हो बेपरवाह बादशाह बन जाते हैं। वे स्वयं को बाप के सर्व खज़ानों के मालिक, स्वराज्य अधिकारी बेगमपुर का बादशाह अनुभव करते हैं। संगमयुग पर ही बड़े ते बड़े बादशाहों की सभा लगती है। किसी भी युग में इतने बादशाहों की सभा नहीं होती है।

Become a carefree emperor of the land without sorrow by being full with all attainments.

Those who listen to the murli of the Murlidhar Father and swing in the swings of supersensuous joy receive the medicine of imperishable blessings from the music of the murli. They become healthy in body and healthy in mind, are intoxicated with that intoxication and become carefree emperors. They experience themselves to be the masters of all the Father's treasures, self sovereigns and the emperors of the land without sorrow. The gathering of the greatest emperors takes place at the confluence age. In no other age is there a gathering of so many emperors.